Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to include life threatening diseases in 'AYUSHMAN BHARAT' Scheme.

श्री गणेश सिंह (सतना): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान 'आयुष्मान भारत योजना' की तरफ दिलाना चाहता है । यह विश्व की सबसे बड़ी योजना है, जिसमें करीब 50 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा देने का काम हो रहा है । इसके लिए मैं माननीय प्रधान मंत्री जी का धन्यवाद भी देता हूँ । दस करोड़ परिवारों को अब तक 'आयुष्मान योजना' के गोल्डन कार्ड्स जारी हुए हैं । इसके तहत पांच लाख रुपये तक का इलाज फ्री है । इस योजना में जो अस्पताल चिहिन्त हैं, उनमें सरकारी अस्पतालों के अलावा निजी अस्पताल भी हैं । निजी अस्पतालों में बहुत सारे ऐसे मरीज हैं, उनका इलाज ठीक से नहीं कर रहे हैं । इसमें कुछ सुधार की जरूरत है । जैसे कोई कैंसर का पेशंट है, हृदय रोग है, किडनी की बीमारी है, इनमें ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है । जैसे कैंसर में कीमो थैरेपी होती है, शायद वह आयुष्मान योजना में कवर्ड नहीं है । इसी तरह से ब्रेस्ट कैंसर में भी नहीं है । ये सभी जानलेवा बीमारियां हैं । इस योजना में इन जानलेवा बीमारियों को भी शामिल किया जाना चाहिए ।

दीपावली के दिन माननीय प्रधान मंत्री जी के निर्देश पर हम लोगों ने लाभार्थियों के साथ चाय पी थी । ये सारी जानकारी तब सामने आई थीं । माननीय प्रधान मंत्री जी के निर्देश पर इस तरह के जो सभी तरह के लाभार्थी हैं, उनके साथ बैठ कर उनकी समस्याओं को जानने का निर्देश हुआ था । तब ये मामले सामने आए हैं । इसलिए मैं आपके माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री जी से कहूंगा कि इस पर पुनर्विचार करें और इन जानलेवा बीमारियों को भी इस योजना में जोड़ने का काम करें । सभी कार्ड धारकों को एक्सीडेंट में इलाज की सुविधा मिले ।

माननीय अध्यक्ष : श्री कुलदीप राय शर्मा एवं डॉ. मनोज राजोरिया को श्री गणेश सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की

जाती है ।